APRIL TO JUNE 2019-20

विगत तीन माह की गतिविधियाँ

प्रक्षेत्र परीक्षण

क्र.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	सोयाबीन+ अरहर+ चना	------	मल्टी क्राप प्लांटर का आकलन	1.0	05
2.	गन्ना	सी.ओ. 86032	गन्ने के चाबुक कण्डवा रोग नियंत्रण हेतु रासायनिक बीज उपचार का आकलन	0.8	04
3.	मछली	रोहू, कतला, मृगल	ग्रामीण तालाब में मत्स्य बीज उत्पादन का आकलन	0.5	04
4.	मछली	रोहू, कतला, मृगल	ग्रामीण तालाब में मत्स्य उत्पादन मे वर्मी कम्पोष्ट के प्रयोग का आकलन	0.5	04
5.	विविध	-----	समन्वित कृषि प्रणाली का आकलन	2.0	05
6.	-----	-----	मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित उर्वरक प्रयोग की जानकारी एवं अनुप्रयोग का आकलन	1.0	05
7.	गन्ना+प्याज	सी.ओ. 86032	गन्ना+प्याज अंतवर्तीय खेती का आकलन	0.8	04
8.	चना	जे.जी. 14	चने मे रासायनिक खरपतवार प्रबंधन का आकलन	0.8	04
9.	गन्ना	सी.ओ. 86032	गन्ना बुआई यंत्र से गन्ना बोने का आकलन	1.0	05
10.	धान एवं गन्ना		ट्राइकोडर्मा से फसल अवशेष अपघटन का आकलन		10
11.	चना	जे.जी. 14	चौड़ी क्यारी एवं मादाविधि से चना बुआई का आकलन	1.0	05
12.	----	----	जैव अवशेष अपघटक द्वारा मृदा स्वास्थ्य सुधार का आकलन	-	04
13.	सब्जी एवं फल	---	पोषण वाटिका का आकलन	-	04
योग				9.4	63

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र.	फसल	प्रजाति	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	गन्ना	सी.ओ. 86032	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
2.	गन्ना	सी.ओ. 86032	गन्ने के लाल सड़न रोग नियंत्रण हेतु रासायनिक बीज उपचार का आकलन	5.0	12
3.	चना	जे.जी. 14	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
4.	गेहूं	जी.डब्लयु. 366	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
5.	तिवड़ा	प्रतीक	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
6.	प्याज	-	खरी प्याज का प्रदर्शन	1.0	06
7.	धनीया	जवाहर धनीया 1	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	1.0	06
8.	गेंहू	जी.डब्लयु. 366	स्वचलित रिपर से गेंहू कटाई का प्रदर्शन	5.0	13
9.	गेंहू	जी.डब्लयु. 366	सिड कम फर्टीलाइजर ड्रील से गेंहू की कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	13
10.	चना	जे.जी. 14	समन्वित कीटप्रबंधन का प्रदर्शन	5.0	12
11.	चना	जे.जी. 14	चने के कालर राट रोग का ट्राइकोडर्मा विर्डी से प्रबंधन का प्रदर्शन	5.0	12
12.	मशरूम	आयस्टर	आयस्टर मशरूम उत्पादन का प्रदर्शन		12
योग				47.0	134

समूह फसल प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	अरहर	राजीवलोचन	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	50	125
2.	चना	जे. जी. 14	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	50	125
3.	अलसी	आर.एल.सी. 92	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	10	25
योग				110	275

कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

क्र.	विषय	संख्या	अवधि	प्रशिक्षणार्थी
1.	फसल उत्पादन	4	1	75
2.	पौध संरक्षण	4	1	80
3.	मृदा विज्ञान	4	1	50
4.	उद्यानिकी	4	1	80
5.	कृषि अभियांत्रिकी	4	1	70
योग		20	--	355

विस्तार गतिविधियाँ

विषय	संख्या	लाभार्थी
वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण	30	150
केन्द्र पर कृषको का भ्रमण	250	500
योग	280	650

सीड हब योजनान्तर्गत बीजोत्पादन कार्यक्रम

क्र.	फसल	किस्म	उत्पादित बीज का प्रकार	रकबा (हे.)
1.	अरहर	राजीवलोचन	प्रमाणित एवं आधार	12
2.	चना	जे.जी.14 एवं आर.व्ही.जी. 202	प्रमाणित एवं आधार	88.2
योग				100.2

कृषि विज्ञान केन्द्र प्रक्षेत्र में बीजोत्पादन कार्यक्रम

क्र.	फसल	किस्म	उत्पादित बीज का प्रकार	रकबा (हे.)
1.	अरहर	राजीवलोचन	आधार	2.0
2.	चना	आर.व्ही.जी. 202	आधार	2.0
3.	उड़द	इन्दिरा उड़द ।	प्रजनक	1.0
4.	मुंग	पैंसी मुंग	प्रजनक	1.0
5.	तिवड़ा	महा तिवड़ा	प्रजनक	2.0
योग				8.0

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
पिन-491995
फोन/फैक्स 07741-299124
E-mail: kvkkawardha@yahoo.in

बुक-पोस्ट
भारत शासन सेवार्थ

प्रति,
श्री/श्रीमती/डॉ. .....
.....
.....

उन्नत कृषि — समृद्ध किसान

इंदिरा किसान मितान
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

अंक- 02 | त्रैमासिक पत्रिका, अप्रैल, मई, जून 2019 | वर्ष-12

संपादक मंडल

संरक्षक : डॉ. एस.के.पाटिल
कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक : डॉ. ए.एल. राठौर
निदेशक विस्तार सेवाऐं, इं.गां.कृ.वि.रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत : डॉ. अनुपम मिश्रा
निर्देशक- ICAR-ATARI
जोन-9 जबलपुर (म.प्र.)

प्रकाशक एवं प्रधान संपादक :
डॉ. बी.पी.त्रिपाठी
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

संपादक : श्री बी.एस. परिहार
विषय वस्तु विषेशज्ञ
सस्य विज्ञान

सह संपादक :
इं.टी.एस.सोनवानी
विषय वस्तु विषेशज्ञ
कृषि अभियांत्रिकी
श्रीमति राजेश्वरी साहू
विषय वस्तु विषेशज्ञ
उद्यानिकी
श्री पी.के.सिन्हा
प्रक्षेत्र प्रबंधक
श्री वाई.के. कौशिक
कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा को मिला आउटस्टैंडिंग एक्सटेंशन सर्विस अवॉर्ड

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा को बेहतर कार्य करने पर आउटस्टैंडिंग केवीके एक्सटेंशन सर्विस अवार्ड मिला। यह अवॉर्ड गणंतत्र दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. बी.पी. त्रिपाठी को अवॉर्ड के रूप में 75500 की राशि प्रदान की गई। बीते डेढ़ साल में कृषि विज्ञान केन्द्र ने तमाम सारे नवाचार कियें। खासकर महिला किसानों को आर्थिक समृद्ध बनाने मशरूम उत्पादन, कड़कनाथ पालन, मछली पालन, पशुपालन प्रशिक्षण ऐसे तमाम सारे कार्यो के न केवल प्रशिक्षण दिए बल्कि उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने का भी काम किया है।

इन सारे कार्यो को हालही में रायपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भी सराहा गया था। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी. पी. त्रिपाठी ने यह अवॉर्ड क्षेत्र के किसानों को समर्पित किया है। कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों, महिलाओं के सहयोग के लिए हमेशा तैयार है।

सुपारी एवं मसाला विभाग परियोजना भारत सरकार योजनांतर्गत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

सुपारी एवं मसाला विभाग परियोजना भारत सरकार द्वारा प्रदत्त प्रदर्शन अंतर्गत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन दिनांक 29.01.2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र,कवर्धा प्रक्षेत्र नेवारी में किया गया। जिसमें जिले के 100 कृषकों ने भाग लिया।

पोषण संवेदनशील एवं खाद्य सुरक्षा आधारित कृषि पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के द्वारा में ग्राम राजानवागांव में पोषण संवेदनशील एवं खाद्य सुरक्षा आधारित कृषि पर एक दिवसीय संगोष्ठी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम राजानवागांव के 16 महिला समूहों के महिलाओं को मशरूम उत्पादन, पोषण का दैनिक आहार में महत्व, बच्चों के विकास में पोषण आहार का महत्व एवं उनका कृषि से पोषण संवेदनशीलता की पूर्ति विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 70 महिला कृषक एवं पुरूषों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में मशरूम उत्पादन का प्रायोगिक प्रदर्शन, कृषि द्वारा पोषण आहार की पूर्ति एवं बाड़ी प्रबंधन द्वारा पौष्टिक तत्वों की पूर्ति की जानकारी महिला समूहों को दी गई।

APRIL TO JUNE 2019-20

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के शुभारंभ का सीधा प्रसारण

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के शुभारंभ का सीधा प्रसारण 24.02.2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा मे किया गया। जिसमें लगभग 100 कृषकों ने भाग लिया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा कृषकों को दिये गये उद्धबोधन का सीधा प्रसारण किया गया !

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

दिनांक 08 मार्च 2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के महिला समूह के महिलाओं को महिला सशक्तीकरण, कृषि में महिलाओं के योगदान एवं कृषि महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने हेतु उन्हे प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत लगभग 50 महिलाओं को सोयाबीन से बनने वाले मूल्य संवर्धित उत्पाद की प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया। जिसके तहत उन्हे सोयाबीन से बनने वाले उत्पाद जैसे दूध, दही, पनीर, घी, रसगुल्ला एवं बड़ी बनाया सिखाया गया। ग्रामीण महिलाओं को बच्चों एवं माताओं में होने वाले कुपोषण उनकी पहचान एवं रोकथाम के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दी गई।

गुड़ एवं सोयाबीन के मूल्य संवर्धित उत्पादन तकनीक पर दो दिवसीय प्रशिक्षण सह प्रदर्शन

गुड़ एवं सोयाबीन के मूल्य संवर्धित उत्पादन तकनीक पर सात दिवसीय प्रशिक्षण सह प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सोयाबीन से बनने वाले मूल्य संवर्धित उत्पाद की प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया। जिसके तहत उन्हे सोयाबीन से बनने वाले उत्पाद जैसे दूध, दही, पनीर, घी, रसगुल्ला एवं बड़ी बनाया सिखाया गया। ग्रामीण महिलाओं को बच्चों एवं माताओं में होने वाले कुपोषण उनकी पहचान एवं रोकथाम के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दी गई।

उर्जा एवं जल संरक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला

दिनांक 28.03.2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा उर्जा एवं जल संरक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें केडा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा कृषि क्षेत्र में उर्जा दक्षता, पंपो के चयन स्थापना एवं कुशल संचालन के दिशानिर्देश आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर जिले के लगभग सौ कृषको ने सक्रिय भाग लिया !

अप्रैल

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- मृदा संरचना में सुधार हेतु अकरस जुताई का कार्य करें।
- गन्ने की पेड़ी फसल से तना बेधक का प्रकोप होने पर फोरेट 10 जी दानेदार दवा का 10 किलो प्रति हेक्टे. की दर से उपयोग करें।
- गन्ने की शीतकालीन फसल में नत्रजन की शेष मात्रा का छिड़काव करें एवं मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।

उद्यानिकी

- टमाटर, मिर्च, बैगन, भिण्डी तथा बरबट्टी आदि सब्जियों के बीज तैयार करने का उचित समय है।
- सब्जी लगाने हेतु खेत की गहरी जुताई करें।
- उसे खाली छोड़ दे साथ ही पॉलीथीन से ढ़क भी सकते है जिससे मृदा जनित खरपतवार तथा बीमारी व कीड़े के अण्डे मर जाये।
- आम, नींबू वर्गीय एवं अन्य फसलों में सिंचाई प्रबंधन करें।
- गुलाब की क्यारियों और गमलों में 3-4 दिन के अंतराल में पानी देते रहें और महीने में एक बार कीटाणुनाशक दवाइयों का छिड़काव करें।
- कद्दूवर्गीय फसलों में लाल भृंग फल मक्खी कीड़ो के नियंत्रण हेतु बीज बुआई के पहले कार्बोरिल 10 प्रतिशत जी. गड्ढो में मिलाना चाहिए।

पशुपालन -

- पशुओं को पेट के कीड़ो की दवाई नियमित दें।
- पशुओं का बिछावन समय समय पर बदलवाते रहें।
- दुधारू पशुओं के थनैला रोग से बचाव के उपाय करें।
- पशु के सम्पुर्ण विकास के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम दें।
- पशुओं को गर्मी से बचाव हेतु उपयुक्त उपाय करें।

मई

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- भूमि जनित रोगो के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें।
- गेहूँ के बीजो को धूप में लगभग 6 घंटे तक पक्के फर्श पर सुखाकर भण्डारित करें।
- मृदा संरचना सुधार हेतु अकरस जुताई करें एवं कार्बनिक खाद खेतों में वितरित करें।
- गन्ना में मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।
- फसलों मे दीमक तथा भूमिगत कीटों के नियंत्रण हेतु क्लोरपायरीफास 1.5 प्रतिशत चूर्ण को 20-25 किलो प्रति हेक्टे. की दर से मिट्टी में मिलायें तथा गुड़ाई करें।

उद्यानिकी

- तैयार लॉन से खरपतवार निकाल कर सफाई करनी चाहिए और पौधों को पानी देना चाहिए।
- हल्दी, घुइयाँ, अदरक हेतु खेत की तैयारी करें एवं बुवाई करें।
- वर्षाकालीन सब्जियों की बुवाई की तैयारी करें।
- आम, बेल, अनानास बेर का मुरब्बा चटनी, अचार एवं सब्जियों को सुखाने का कार्य करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई पॉलीथीन बैग में करें।

पशुपालन

- गाय व भैस के गर्मी में आने पर उत्तम नस्ल के सांड से समय पर गाभीन करवायें।
- ब्याने वाले पशुओं का विशेष ध्यान रखते हुए अन्य पशुओ से अलग रखे।
- पशुशाला की सफाई पर विशेष ध्यान दें।
- नवजात बछड़े एवं बछड़ियों को अंत: परजीवि एवं बाह्य परजीवि नाशक दवाई पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित देवें।

जून

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- बुवाई पूर्व जुताई कार्य करें ताकि वितरित किए गए कार्बनिक खाद का मृदा में उचित मिश्रण हो सके।
- सोयाबीन एवं अरहर के लिए जमीन की तैयारी कर बुवाई करें।
- दलहनी फसलों को बुवाई के पूर्व फफूंदनाशक दवा एवं राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करें।
- धान के बीजों को 17 प्रतिशत नमक के घोल में डाल कर ठोस बीजों का चुनाव करें तथा चयनित बीजों को दो बार स्वच्छ पानी से धोकर फफूंद नाशक कार्वेडाजिम (2 ग्रा./ली.) से उपचारित कर बोयें।
- धान के नींदा नियंत्रण हेतु बोता धान में पायरेजोसलफ्युरान इथाइल या ब्यूटाक्लोर या पेन्डी मेंथिलिन को प्रयोग करें।
- भूमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें। धान की कतार बोनी तथा खुर्रा बोनी करें।

उद्यानिकी

- नर्सरी हेतु भूखण्ड तैयार कर रोपनीबना लेंवें। सब्जियों की पौधशाला हेतु क्यारी निर्माण, भूमि उपचार एवं क्यारियों में बीजों की बुवाई करें।
- बरसात की फसल हेतु कद्दूवर्गीय सब्जियों के बीजों की बुवाई करें।
- टमाटर, मिर्च, बैगन एवं फलगोभी की नर्सरी तैयार करें।

पशुपालन

- ब्याने वाले पशुओं को प्रसुति बुखार से बचाने को लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम प्रतिदिन दें।
- पशु ब्याने के एक से दो घण्टे के अन्दर नवजात बछड़े बछड़ियो को पेऊश अवश्य पिलायें।
- नवाजा बछड़े बछड़ियों को 10-15 दिन के आयु परसिंग रहित करवायें।
- पशुओं को संक्रामक रोग रोधी टीके समय समय पर अवश्य लगवायें।